



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घी चौधरी	18.11.21	७	६-४

सरसों में कीटों की पहचान व रोकथाम से बढ़ाए पैदावार

■ कम खर्च में अधिक लाभ देती है सरसों की फसल

दिए गये न्यूज़ || हिसाए

सरसों खी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सरसों की फसलों के तहत तोरिया, राधा, तारामीरा, भूरी व गीली सरसों आती हैं।

हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मंवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। अगेती सरसों में चिरतकबरा कीड़ी

(धोलिया) अधिक हानि पहुंचाता है तथा पछाती सरसों में चेपा का अधिक प्रकोप रहता है।

इसलिए किसानों को इन फसलों की तापक्रम व मौसम की अनुकूल परिस्थिति को ध्यान में रखकर बिजाइ करनी पड़ती है। किसान सरसों के कीटों को अच्छी तरह पहचान कर उन पर नियंत्रण कर सकते हैं। हक्किं कुलपति प्रोफेसर बीआर कार्बोज ने किसानों से आहान किया कि वे विश्वविद्यालय से जुड़कर और वैज्ञानिक सलाह लेकर समय-समय पर अपनी फसलों संबंधी जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपनी फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा के अनुसार आगे तथा पछाती सरसों की फसल में कई प्रकार के कीटों का प्रकोप हो सकता है, जिनकी किसान समय से पहचान कर सेकथाम कर फसल से अधिक पैदावार हासिल कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	17.11.2021	--	--

समस्त हरियाणा

बुधवार, 17 नवम्बर, 2021 - हिसार

सरसों में कीटों की पहचान व रोकथाम से बढ़ा सकते हैं पैदावार

समाज हारियांग बृज
हिमाचल प्रदेश में उत्तरांचल की आठ सभी कस्तुरी कस्तुरों में एक महावृष्टि स्थान उत्तरी है। कस्तुरी वाराणीय कफलतों के लगते तोराम, दशा, तापामीरा, धूरी य गोली तारामों जाती है। हरियांग में भूस्तरी मध्य रुप से रोपाया, मन्दन्दग, दिमां, फिरासा व गोलात लिलों में जोड़ जाती है। किसान तारामों उत्तरांचल का लब्ध में अधिक लब्ध करा रहे हैं। अतिरिक्त तारामों में तिनकबरा कोटो (बोलाया) अधिक लाभ प्राप्ति करता है तथा इसकी सर्वों में लेप का अधिक प्रक्रिय रहता है। इसलिए किसानों को एक फलतों की ताकतवारी की दीवानी को अनुदूल दिलाकाब देखी सावधान को 3 बजे के बाद की अपवाहियां को कोई नुकसान न हो जो आग बढ़ती है तथा यक्षम रहती है।

तिनकबरा कोटी योग्य धोलिया

बृज दलीप कुमार ने अवधारि की सभी कोटीनामाओं का डिलाकाब देखी सावधान को 3 बजे के बाद की अपवाहियां को कोई नुकसान न हो जो आग बढ़ती है तथा यक्षम रहती है।

चीधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कौलपाली प्रोफेसर बी.आर. कामवाज ने किसानों से इन्हाँने किया कि वे विश्वविद्यालय से जुड़कर और वैज्ञानिक सलाह लेकर समय-समय पर अपनी फसलों संबंधी जानकारी हासिल कर सकते हैं और किसानों को पैदावार में बढ़तीरी कर सकते हैं।

संख्या टिसम्बर में मार्च माह तक प्रचुर मात्रा में होती है। कोट बिना नियोगन के ही सीधे शिल् षिठ बढ़ते हैं।

रोकथाम्

इनकी रोकथाम के लिए फ्रेंक्सन सर्वों कफलत को विजाई अधिक दीरी से न करें और आक्रमण होने पर कोट्टियां दहनीयों को तोड़कर नष्ट कर दें। यदि कोटा का अधिक यथा 10 प्रतिशत पुरुषों पर 9-19 कोशि यथा 10 प्रतिशत 13 कोशि प्रति पीढ़ी होने पर 250 से 400 मि.ली. (विद्युत डेमेटन मेटासिस्ट्रियम) 25 इ.सी. या डाइमोडेप्ट

प्रति एक कुंडा की दर में छिकाव करे।
सरस दुध की एक आरा मक्खी
 यह हाइमोट्टर यांग की एकामात्र हानिकारक कोट है जो कफल को नुकसान पहुँचाता है। इस कोट
 (रोगों) 30 ईंसॉ. को 250 से 400 लीटर चानों में मिलाकर प्रति एक दूध काव करें।
 यह अवश्यकता पढ़ने पर दूसरा छिकाव 15 दिन बाद करें।

सुरंग बनाने वाली सूरजी
उस की सूरियों पर्तियों में सुरंग बना
पर्याप्त को खाते हैं। पता सूरज को काट क
काट माफ दिलाउ देता है। परी जमाने र
हैं तथा यज्ञदान पर भी असर पड़ता है। पार
को रोकथाम हेतु बाहा, गण कीटनाशक
आवानों से नियन्त्रित किया जा सकता है।

पैदावार हासिल कर मस्को है। तृतीय गमवतार व तथा फलसंकरण के द्वारा होने पर 400 मि.ली. मार्च महं डेंड्रो भी दिखते हैं। इस कोट की मूर्दीय समूह में ही उन्हें योग्यकर नह कर देना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	17.11.21	--	--

सरसों में कीटों की पहचान व रोकथाम से बढ़ा सकते हैं पैदावार कम खर्च में अधिक लाभ देती है सरसों की फसल



पाठक पक्ष चूज
हिसार, 17 नवम्बर : सरसों में उगाह जाने वाली फसलों में एक नवत्यों स्वार रहती है। सरसों की पहचान के तहत गोरी, राता, तारामोरा, धूरी व पीली सरसों आती हैं। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्राद, हिसार, चिरस, भिरान व मेवात जिलों में जाता है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। अग्रीती सरसों में चिरकबरा कीड़ा (पीलिया) अधिक हानि पहुंचाता है तथा बड़े सरसों में चपा का अधिक प्रकार रहता है। इसलिए किसानों ने इन फसलों की

तपक्रम व मौसम की अनुकूल में सहायक होती है। चिरकबरा कीट या भीलिया विजाई कीटों का एक्टी तरह पहचान कर उका आमतौर से नियन्त्रण कर सकते हैं। चीरी चरण नियन्त्रण कर सकते हैं। इसके लिए उक्त विभाग की पहचान कर सकते हैं। और अपनी फसलों की ऐवार में बोलती कर सकते हैं। अनुनांशिकी एवं पीथ प्रजनन विधाया के अधिकारी वार्षिक संसद लेनदेन समय-समय पर अग्री कलानी नई जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपनी फसलों की ऐवार में बोलती कर सकते हैं। आग्री कीटों के ऐवार के अधिकारी वार्षिक संसद लेनदेन समय-समय पर अग्री कलानी नई जानकारी हासिल कर सकते हैं। और अपनी फसलों की ऐवार में बोलती कर सकते हैं। जिनकी किसान समय से पहलान कर रोकथाम कर फसल से अधिक ऐवार हासिल कर सकते हैं। छोटा अग्री कीट तांडा दलीप कुमार ने बताया कि सभी चीटाराकों का छिड़कान संदेश सारेकाल को बड़े कानून करें ताकि मधुमक्खियों को कोई नुकसान न दे। तो उपर यहाँ

चिरकबरा कीट व मौसम कीट है। उन्हें जिसके काटने पर सम्भव बन जाते हैं। इसके लिए उक्त कीट को योग्यता भी कहते हैं। इसके अधिक अक्रमण से नियन्त्रण करने के लिए एक प्रकार कीट का प्रक्रिया फसल को प्रतीक्रिया अवस्था व कटाई के समय बढ़ावा देता है। अधिक सर्दी में बवस्क अवस्था में नियन्त्रण रहता है। फसल उगाने के समय इस कीट का अक्रमण लेने पर 200 प्र.ली. तथा फसल कटाई के समय होने पर 400 प्र.ली. मौसमीया 50 ई.सी. का 200 व 400 लौटर पानी प्रति एक ही दर से छिड़कान करें।

सरसों की आग्रा मक्की : यह दाढ़ीमोट्टा वान का एकमात्र लानिकरण कीट है जो फसल को नुकसान पहुंचाता है। इस कीट की महारत नियन्त्रण के लिए जिसका सरसों कीटों का एकमात्र लानिकरण होने पर कठिन दृष्टिकोण में देख जाती है। ऐसी परिस्थिति जिस पर सूखिया समृद्ध में हो उन्हें बोडकर नहीं कर देना चाहिए।

पीछों पर 9-19 कीट या आमतौर 13 कीट प्रति पीछों होने पर 250 से 400 प्र.ली. (मिथाइल मेटास्ट्रोक्स) 25 ई.सी. वा बायोथेट (रोगों) 30 ई.सी. को 250 से 400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एक ही छिड़कान करें। अवसरकता पड़ने पर दूसरा छिड़कान 15 दिन बाद करें।

सुरंग बनाने वाली सुण्डी :

इस कीट की सुण्डीना पानीमें सुरंग बनाकर होने पर्याप्ती को खाती है। जिसके सुरंग की तकलीफ पर कटे साक दिलाई देता है। पीछे कमज़ोर हो जाते हैं तथा उत्पादन पर भी आस पड़ता है। माझू-अल की रोकथाम लेने वाले गए कठिनाशक से इस आसानी से नियन्त्रित किया जा सकता है।

बायों वाली सुण्डीयाँ :

इन सुण्डीनों का अक्रमण अग्रीर से नवार में अधिक होता है। अधिक में यह सुण्डीयाँ समर्पित रूप में रुक्कर फसल की परियों को खा जाती है।

बड़े होने पर अग्री कीट कठिन दृष्टिकोण में देख जाती है। ऐसी परिस्थिति जिस पर सूखिया समृद्ध में हो उन्हें बोडकर नहीं कर देना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
द इंक न्यूज	18.11. 2021		

AGRICULTURE

**NOV
17**

सरसों में कीटों की पहचान व टोकथाम कर किसान बढ़ा सकते हैं पैदावार

हिसार(हरदा राजेश सिंह फुड़) – सरसों रवी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सरसों वर्गीय फसलों के तहत तौरिया, राया, ताराजीरा, धूरी व पीली सरसों आती हैं। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेयाड़ी, मस्लेंगट, हिसार, सिरसा, भियानी व मेयात जिलों में घोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ करना रहे हैं। अग्री सरसों में चित्तकबरा कीटा (धोलिया) अधिक हानि पहुंचाता है तथा पछेती सरसों में देपा का अधिक प्रकोप रहता है। इसलिए किसानों को इन फसलों की तापकम व जीसम की अनुकूल परिस्थिति को ध्यान में रखकर बिजाई करनी पड़ती है। किसान सरसों के कीटों को अच्छी तरह पहचान कर उन्हें आसानी से दियर्चना कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्होज ने किसानों से आङ्गन किया कि वे विश्वविद्यालय से जुड़कर और वैज्ञानिक सलाह लेकर समय-समय पर अपनी फसलों संबंधी जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपनी फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आनुयांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. यस.के. पाठुला के अनुसार अग्री व पछेती सरसों की फसल में कई प्रकार के कीटों का प्रकोप हो सकता है, जिनकी किसान सभ्य से पहचान कर रोकथाम कर कर सल से अधिक पैदावार हासिल कर सकते हैं। डॉ. रामभवतार व डॉ. दलीप कुमार ने बताया कि सभी कीटनाशकों का छिड़काय सदैय सार्वकाल को 3 बजे के बाद करें ताकि गधुमविषयों को कोई नुकसान न हो, जो उपज बढ़ाने में सहायक होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी न्यूज	18.11. 2021		

सरसों में कीटों की पहचान व रोकथाम से बढ़ा सकते हैं पैदावार

Nov 17, 2021 गौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय क्रिस्टल, हिरियाणा के कुलपति पौष्टि थी.आर. काल्योन्त्र

कम उच्च में अधिक छाप देती है सरसों में कीट

हिस्से : 17 नवंबर - मरसों रही में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखतो है। सरसों वर्गी कफलों के तहत तीरिया, राया, तारामीरा, भूरी व दोनों मरसों आती हैं। हरियाणा में सरसों नुक्खे रूप से रेण्डी, ब्रेन्डगट, हिसार, मिरसा, गियाही व अंगाह जिलों में उगाई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम बढ़ती में अधिक लाभ कमा रहे हैं। अगती सरसों में रेण्डी व दोनों जिलों में उगाया जाता है। अधिक सरसों की कीटों जो अच्छी तरह पहचान या उनकी आवाजी से विचरण कर सकते हैं। गौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौष्टि थी.आर. काल्योन्त्र ने किसानों से आदान किया कि वे विधायिकालय से जुड़कर और दोनों जिलों के सरसों की जातियों जालकारी हासिल कर सकते हैं और अपनी कफलों की पैदावार में बढ़ावार कर सकते हैं। आनुद एवं वीध प्रजनन विभाग के अधिकारी डॉ. एस. के. माहुजा के अनुसार अगती व पहेली सरसों की फसल में कई प्रकार की कीटों का पर्याप्त हो सकता है, जिनकी किसान समय से पहचान कर सकता है। आनुद एवं वीध प्रजनन विभाग के अधिकारी डॉ. एस. के. माहुजा के अनुसार अगती व पहेली सरसों की फसल में कई कीटों का पर्याप्त हो सकता है, जो उच्च बढ़ाने में सहायक होती है।

चितकवारा कीट या घोलिया : यह सरसों का मुख्य कीट है जिसके लिए ये पौधे वींधी से रस युक्त वृक्षालय पहुँचते हैं। इसके लिए ये पौधे अंगाह काल होते हैं जिनके उटर पर काले भूंसे पह्ये होते हैं। पौधों के लिए इनकी खाड़ी से रस दूसरकर नुकसान पूर्याते हैं जिसको बारण वींधी की पतियों पर लगें थाए बल जाते हैं। इसलिए इस कीट को घोलिया भी कहते हैं। इसके अधिक आक्रमण हो पौधे सुक होते हैं। कीट का प्रशांत वर्ष की पार्टी अंगाह की अवधारणा में निश्चिय होता है। कफल उगाने के समय इस कीट का आक्रमण होने पर 200 ग्राम फसल कटाई के समय होने पर 400 ग्राम भूंसे वींधी द्वारा पाते रखने की दृष्टि छिपकाकर करें।

मरसों की आकाश बीटी : यह साइमेनोप्टरा वर्गी का एकाकांत हालियारपा कीट है जो फसल वृक्षालय पूर्याता है। इसकी कीटों की जड़े रेज की सुंदी पतियों में छेत्र वर्ष के तीथ तक भरोह की बायाकर वृक्षालय पूर्याता है। इसकी सूखी दिन के समय घिप्पी रहती है। छेत्रने पर ऐसा पत्ता होता है तेसे मधी पड़ी हो। इसके उटर के ऊपरी भाग पर पांच काले रेज की पाटिट्यों होती हैं।

मरसों का ग्राहू धेया अल : इस कीट के लिए ये पौधे समूह में रहकर पौधी पर आक्रमण करते हैं जिससे घिलिया व तत्व विपरापा हो जाता है। घिलियों में दूने वही पत्ते हैं और दाने बढ़ते भी हैं तो घमजोर घटते हैं। यह कीट इनके द्वारे रंग का होता है। जो कभी पंख रहित व कभी वंच सहित होता है जो करवारी-ग्राहू नाम में उड़ते भी दिखते हैं। इस कीट की संख्या द्विस्तर से मार्द ग्राह तक प्रमुख मानी जाती है। कीट विना जियचल के ही साथ लिए यहां करते हैं।

रोकथाम : कुनकी रोकथाम के लिए किसान सरसों फसल की घिलियों अधिक दौरी से तकरी और आक्रमण होने पर कीटाशस्त टहलियों को लोडिगार लड़ाया जाता है। यह कीट का आक्रमण स्तर 10 घतिशत पुष्पित वींधी पर 9-10 कीट वा औसतन 13 कीट प्रति वींधी होने पर 250 से 400 ग्राम (मियांगल कैनेटाल मेटासिस्टाइक्स) 25 ग्राम, या डाइमेथोएट (सोगो), 30 ग्राम, सी. को 250 से 400 लीटर पानी में फिल्माकर प्रति वर्ग छिपकाकर करें। आपशक्ता पड़ने पर दूसरा छिपकाय 15 दिन बाद लर्ने।

सुरंग बनाने वाले सूखड़ी : इस कीट की सूखड़ी पतियों ने सूरंग बनाकर हरे पदार्थ को खाती हैं। पता सूर्य की तरफ करने पर कोट साफ दिखाया देता है। पौधे कमज़ोर हो जाते हैं तथा उत्पादन पर भी उत्तर पड़ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१०१५ मासिक	१४.११.२१	६	७-८

एचएयू में रबी फसलों के लिए मेले
के बाद भी बीजों की बिक्री जारी

गेहूं व चने की फसलों के लिए सर्टिफाइड बीज उपलब्ध

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए मेले के बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-४ पर स्थित किसान सेवा केंद्र

व गेट नंबर-३ के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री केंद्र पर उपलब्ध होते। किसान किसी भी कार्य दिवस पर प्रातः ९ बजे से शाम ५ बजे तक बीज खरीद सकते हैं। बिक्री में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किसी के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी-५ और एचसी-१ का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपए प्रति बीज के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-३२२६, एचडी-३०८६ व एचडी-२९६७ फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ न्यूज	17.11.21	----	----

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से खेती फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की विक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए

कुलपति प्रैफेसर वी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज विक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री कांटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्योदाय पर प्राप्त: ९ बजे से साथ ५ बजे तक बीज खरीद सकते हैं।

उन्होंने किसानों से आझ्ञान किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी कार्योदाय



पर खरीद सकते हैं।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध

विश्वविद्यालय में गेहूंसा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों एच-1105, डब्ल्यू एच-1124, के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज एचडी-3226 व एचडी-3086 विक्री केंद्र पर चने का एचसी-५ और किस्मों का सर्टिफाइड बीज ४० एचसी-१ का फाउंडेशन बीज १० किलोग्राम प्रति बैग ९५० रुपए किलोग्राम की पैकिंग में १२०० रुपए के हिसाब से उपलब्ध है। जौ के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध की बी एच-९४६ किस्म के बीज है। गेहूं की एचडी-३२२६, एचडी-३०८६ व एचडी-२९६७ फाउंडेशन का ३५ किलोग्राम का बैग ६३० रुपए मौजूद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	17.11.21	--	--

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः ९ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की बजे से सांय ५ बजे तक बीज और से रबी फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-४ पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-३ के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान



खरीद सकते हैं।

उन्होंने किसानों से आहान किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी कार्यदिवस पर खरीद सकते हैं।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी-५ और एचसी-१ का फाउंडेशन बीज १० किलोग्राम की पैकिंग में १२०० रूपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-९४६ किस्म के बीज का ३५ किलोग्राम का बैग ६३० रूपये मौजूद है।

किसानों को सुबह ९ से

सांय ५ बजे तक किसान

सेवा केंद्र व फार्म

निदेशालय पर मिलेंगे बीज।

एचडी-३२२६, एचडी-३०८६ व एचडी-२९६७ फाउंडेशन बीज ४० किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-३२२६ व एचडी-३०८६ की प्रति बैग कीमत १६८० रूपये जबकि एचडी-२९६७ प्रति बैग कीमत १३५० रूपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डब्लयू एच-११०५, डब्लयू एच-११२४, एचडी-३२२६ व एचडी-३०८६ किस्मों का सर्टिफाइड बीज ४० किलोग्राम प्रति बैग ९५० रूपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-९४६ किस्म के बीज का ३५ किलोग्राम का बैग ६३० रूपये मौजूद है।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.11.21	--	--

**एचएयू में गेहूं, चना व जौ की
फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड
बीज उपलब्ध : प्रो. काम्बोज**

टुडे न्यूज | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यादिवस पर प्रातः 9 बजे से साथ 5 बजे तक खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी कार्यादिवस पर खरीद सकते हैं।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध विश्वविद्यालय में याँजदा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस

समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी-5 और एचसी-1 का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रुपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीमत 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डब्ल्यू एच-1105, डब्ल्यू एच-1124, एचडी-3226 व एचडी-3086 किस्मों का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रुपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-946 किस्म के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये मौजूद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	17.11.21	--	--

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

बीज हैं उपलब्ध विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस का एचसी-5 और एचसी-1 का फाउंडेशन बीज समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कूलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी की डब्लयू एच-1105, डब्लयू एच-1124, कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक एचडी-3226 व एचडी-3086 किस्मों का बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आहान सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित रूपये के हिसाब से उपलब्ध हैं। जौ की बी एच-बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी 946 किस्म के बीज का 35 किलोग्राम का बैग कार्यदिवस पर खरीद सकते हैं। इन किस्मों के 630 रुपये मौजूद हैं।



10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध हैं। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध हैं। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रुपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीमत



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.11.21	--	--

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रखी फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कूलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित कार्म निदेशालय के बिक्री काउंटर

पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आत्मन लिया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी कार्यदिवस पर खरीद सकते हैं।

इन किसों के बीज हैं उपलब्ध— विश्वविद्यालय में भौजूदा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किसों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी-5 और एचसी-1 का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-946 किसम के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये मौजूद है।

उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रुपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीमत 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डब्ल्यू एच-1105, डब्ल्यू एच-1124, एचडी-3226 व एचडी-3086 किसों का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रुपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-946 किसम के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये मौजूद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	17.11.21		

हकृति में खींची फसलों के बीज उपलब्ध

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से खींची फसलों के लिए बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर.4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर.3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री कांउटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यादिवस पर बीज खरीद सकते हैं। विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी.5 और एचसी.1 का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रूपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी.3226, एचडी.3086 व एचडी.2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी.3226 व एचडी.3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रूपये जबकि एचडी.2967 प्रति बैग कीमत 1350 रूपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डब्ल्यू एच.1105, डब्ल्यू एच.1124, एचडी.3226 व एचडी.3086 किस्मों का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रूपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच.946 किस्म के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रूपये मौजूद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	17.11.21		

एगण्ड में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्धः कुलपति प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सांध्य 5 बजे तक बीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाणित बीजों को निर्धारित समयावधि में किसी भी कार्यदिवस पर खरीद सकते हैं।

इन किसिमों के बीज हैं उपलब्ध

विश्वविद्यालय में गौजूटा समय में गेहूं, चना और जौ की बिक्री किसी के बीज उपलब्ध है। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर घने का एचडी-5 और एचडी-1 का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीगत 1680 रुपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीगत 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डल्लू एच-1105, डल्लू एच-1124, एचडी-3226 व एचडी-3086 किसी का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रुपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-946 किसी के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये मौजूद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	17.11.21		

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध : प्रो. बी.आर. काम्बोज

किसानों को सुबह 9 से सांय 5 बजे तक किसान सेवा केंद्र व फार्म निदेशालय पर मिलेंगे बीज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 17 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रबी फसलों के लिए मेले का बाद भी बीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड स्थित फार्म निदेशालय के बिक्री काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध

विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय बीज बिक्री केंद्र पर चने का एचसी-5 और एचसी-1 का फाउंडेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रूपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध हैं। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रूपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीमत 1350 रूपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डब्लयू एच-1105, डब्लयू एच-1124, एचडी-3226 व एचडी-3086 किस्मों का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रूपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की बी एच-946 किस्म के बीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रूपये मौजूद है।

किसी भी कार्यदिवस पर प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक बीज प्रमाणित बीजों को निर्धारित खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों समयावधि में किसी भी कार्यदिवस से आह्वान किया कि वे पर खरीद सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी न्यूज	18.11. 2021		

एचएयू में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध : प्रोफेसर डॉ.आर. काम्बोज

किसानों को बुध ३ से शाय ५ बजे तक किसान सेवा केंद्र व फार्म निदेशालय पर निलंगे बीज

हिसार : 17 नवंबर - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रोटी फसलों के लिए मेले का बाद भी थीजों की बिक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फाउंडेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवायर जा रहे हैं। यह जानकारी द्वारे हुए कुलपति प्रोफेसर डॉ.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज बिक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 पर स्थित किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-3 के लुदास रोड रिप्यूट फार्म निदेशालय के बिक्री काउंटर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्यालय पर प्राप्त : ५ बजे से साय ३ बजे तक थीज खरीद सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय की ओर से प्रशांति थीजों को निर्धारित सलायालयी में किसी भी कार्यालय पर खरीद सकते हैं।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध

विश्वविद्यालय ने नौजूदा जगत में गेहूं, चना और जौ की विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध हैं। इस समय थीज बिक्री केंद्र पर घने का एचसी-५ और एचसी-१ का फाउंडेशन थीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-3226, एचडी-3086 व एचडी-2967 फाउंडेशन थीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-3226 व एचडी-3086 की प्रति बैग कीमत 1680 रुपये जबकि एचडी-2967 प्रति बैग कीमत 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की इच्छ्य एच-1105, इच्छ्य एच-1124, एचडी-3226 व एचडी-3086 किस्मों का सर्टिफाइड थीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रुपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की एच-946 किस्म के थीज का 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये जीबद्दल है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभई जाला	१४/११/२१	३	उ-४

शिविर

एचएयू कुलपति बोले - कम खर्च में अधिक लाभ देती है सरसों की फसल

सरसों में कीटों की पहचान व रोकथाम से बढ़ा सकते हैं पैदावार

माई स्टीटी रिपोर्टर

हिसार। सरसों रोपी में डगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सरसों वाली फसलों के तहत तोरिया, राया, तारभीया, भूरी व पीली सरसों आती हैं। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिलानी व मेवात जिलों में बढ़ी जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा सकते हैं।

अग्रीती सरसों में विश्वकवरा कीड़ा (पोलिया) अधिक हानि पहुंचता है और पछेती सरसों में चेपा का अधिक प्रकोप रहता है। किसान सरसों के कीटों को अच्छी तरह रोकथाम कर उनका आसानी से नियंत्रण कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विषेषज्ञों ने जिसनों से आहवान किया कि वे विश्वविद्यालय से जुड़कर और वेजानिक सलाह लेकर समय-समय पर अपनी फसलों संबंधी जानकारी फसल उगाने के समय इस कीट का आकर्षण होने पर 200 मिली, फसल कटाई के समय होने पर 400 मिली मैलाथियान 50 इंसी की 200 व 400 लीटर पानी प्रति विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा के अनुसार अग्रीती



सूची संवाद

व पछेती सरसों की फसल में कई प्रकार के कीटों का प्रकोप हो सकता है, जिनको किसान समय से पहचान कर रोकथाम कर फसल से अधिक पैदावार हासिल कर सकते हैं।

विश्वकवरा कीट व धीलिया : यह सरसों का मुख्य कीट है, जिसके शिशु व प्रौढ़ कीड़ों से रस चूसकर किंवदन्ति से जुड़कर और वेजानिक सलाह लेकर समय-समय पर अपनी फसलों संबंधी जानकारी फसल उगाने के समय इस कीट का आकर्षण होने पर 200 मिली, फसल कटाई के समय होने पर 400 मिली मैलाथियान 50 इंसी की 200 व 400 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

एचएयू में गेहूं, चना और जौ के सर्टिफाइड बीज उपलब्ध

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रसी फसलों के लिए नेले के बाद भी जीजो की विक्री जारी है। इस समय विश्वविद्यालय में गेहूं, चना व जौ की फसलों के फार्मारेशन व सर्टिफाइड बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कुलपाति प्रौ. बीआर कांबोज ने अताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीज विक्री केंद्र विश्वविद्यालय के गेहूं नंबर-४ रित्य किसान सेवा केंद्र व गेट नंबर-३ के लंदस रोड रित्य काम निवेशालय के विक्री कांडर पर उपलब्ध होंगे। किसान किसी भी कार्य दिवास पर सुबह ९ बजे से शाम ५ बजे तक जौ खरीद सकते हैं।

इन किस्मों के बीज हैं उपलब्ध : विश्वविद्यालय में जीजूटा समय में गेहूं, चना और जौ की विक्रीन किसी की जीज उपलब्ध है। इस समय जौ विक्री केंद्र पर चर्चा का एचसी-५ और एच-९६० किस्म के बीज 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये योजूद है। यूनि-

किसानों को सुबह ९ से शाम ५ बजे मिलेंगे बीज

एचसी-१ का फार्मारेशन बीज 10 किलोग्राम की पैकिंग में 1200 रुपये के प्रति बैग के हिसाब से उपलब्ध है। गेहूं की एचडी-३२२६, एचडी-३०८६ व एचडी-२९६७ फार्मारेशन बीज 40 किलोग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है। इसमें से एचडी-३२२६ व एचडी-३०८६ की प्रति बैग कीमत 1680 रुपये जबकि एचडी-२९६७ प्रति बैग कीमत 1350 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार गेहूं की डबलयू एच-११०५, डबलयू एच-११२४, एचडी-३२२६ व एचडी-३०८६ किसानों का सर्टिफाइड बीज 40 किलोग्राम प्रति बैग 950 रुपये के हिसाब से उपलब्ध है। जौ की एच-९६० किस्म के बीज 35 किलोग्राम का बैग 630 रुपये योजूद है। यूनि-